

3301

4

कर्मयोग, योग, ज्ञानयोग

Karmayoga, Yoga, Gyanayoga

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3301

D

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and
Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : Common Group

Semester : I

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

प्राश्नों को लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुसमाच लिखिए।
2. अन्वयात् आचरणम् न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'कर्म सिद्धान्त' पर एक लेख लिखिए। (15)

Write an article on the 'Doctrine of Karma' according to the *Ishavasyopanishad*.

अथवा/OR

ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of *Ishavasyopanishad* in your own words.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(7.5×2=15)

Write short notes on any **Two** of the following: .

उपनिषद्, सत्य का सिद्धान्त, आत्मन्

Upanishad, Concept of Satya, Atman

3. गीता के आधार पर भक्तियोग का वर्णन करें। (15)

Describe *Bhaktiyoga* on the basis of the *Geeta*.

अथवा/OR

हमें भगवद्गीता क्यों पढ़नी चाहिए ?

Why should we read *Bhagwad Geeta*?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(7.5×2=15)

Write short notes on any **Two** of the following :